>

Title: Need to accord approval to Jawai dam recharge plan in Rajasthan-laid.

श्री पी. पी. चौधरी (पाली): मै सरकार का ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र के पाली जिले के प्रमुख जल स्त्रोत जंवाई बांध के पुनर्भरण की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ| पाली जिले मेंजंवाई बांध ही पीने एवं सिचाई का प्रमुख स्त्रोत्र है| जंवाई बांध की कुल भराव क्षमता 7327 एम.सी.एफ.टी हैजो कि पिछले 30 सालो में मात्र 6-7 बार अपनी भराव क्षमता तक पहुच पाया है| बांध की निर्भरता पूर्ण रूप से बारिश पर ही निर्भर है । बरसात से बांध में एकत्र होने वाला पानी केवल पीने के पानी की मांग को पूरा करने में मुश्किल से सक्षम हो पा रहाहै । पाली जिले की मांग वर्तमान स्तरों के साथ पूरी नहीं की जा सकती है क्योंकि बांध मे पानी की औसत आवक 3800 एम.सी.एफ.टी है और जिले की मांग पीने व सिंचाई के लिए क्रमशः 3500 और 4500 एम.सी.एफ.टी है । किसी वर्ष बारिश नहीं होने पर पूरा पाली जिला एकदम सूखे की स्थिति में पहुचं जाता है, दो वर्ष पूर्व पाली में पेयजल संकट को दूर करने के लिए वाटर ट्रेन चलाने की भी आवश्यकता पड़ी । सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं होने के कारण किसान यूनियनों द्वारा साबरमती वाकल और पामेरी नदियों के पानी से बांध में जल स्तर बढ़ाने हेतु विरोध लगातार कई वर्षों से किया जा रहा है । जंवाई बांध से पानी को ले जाने के लिए खूब योजनाए बनाई जाती है लेकिन आज तक इसके पुनर्भरण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए है ।

WAPCOS Ltd. द्वारा जारी संशोधित डीपीआर में साबरमती बेसिन के अधिशेष जल के डायवर्सन से जवाई बांध को भरने की योजना बारें में बताया गया । उन्होंने कहा कि इस काम को दो भागो में किया जाना है और कुल अनुमानित लागत राशि 6521.84 करोड़ रूपये लगेगी । इस परियोजना से पाली जिलेके 787 गांवो, 9 शहरों और सिरोही जिले के अन्य शहरों और गांवों में पानी की आपूर्ति में मदद मिलेगी ।

मैं जल शक्ति मंत्रालय के ध्यान में लाना चाहूँगा कि साबरमती बेसिन के अधिशेष प्रवाह अरब सागर में व्यर्थ जाता है। इस अधिशेष जल को जवाई नदी की ओर मोड़ दिया जा सकता है। इससे पाली, जालोर, सिरोही और अन्य आसपास के शहरों में पीने के पानी की समस्या को हल करने में मदद मिलेगी।

अतः मेरा अनुरोध है कि पश्चिमी राजस्थान की पीने व सिंचाई के पानी सम्बन्धी गम्भीर समस्या से निपटने हेतु जंवाई बांध पुनर्भरण परियोजना को जल्द से जल्द सहमति प्रदान करने की कृपा करावें ।